



भारत का नं. 1 संस्थान कौटिल्य एकेडमी

सफलता का प्रवेश द्वार ...

अनुक्रमांक / Roll No.

--	--	--	--	--

कुल प्रश्नों की संख्या : 3+3

Total No. of Questions : 3+3

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें।

Candidate should write his/her Roll No. here

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 06

No. of Printed Page : 06

M-2020-PAPER

PAPER-IV (FLT)

21.10.2020



पूर्णांक : 200

Total Marks : 200

1. प्रत्येक खण्ड में कुल तीन प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका चयन आपने आवेदन पत्र में किया है।
किसी अन्य माध्यम में लिखे गये उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेगा। सभी 03 प्रश्न करना अनिवार्य है।
4. जहाँ शब्द सीमा दी गई है उसका अवश्य पालन करें।
5. प्रश्न पत्र के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार दें। एक ही प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से एक साथ ही लिखे जायें तथा उनके बीच अन्य प्रश्नों के उत्तर न लिखे जायें।



भारत का नं. 1 संस्थान कौटिल्य एकेडमी

सफलता का प्रवेश द्वार ...

1. प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है, सभी प्रश्न करना अनिवार्य है : [15 × 3 = 45 अंक]

Each question is of 3 marks, it is mandatory to do all the questions -

- A. पारदर्शिता का प्रशासन में स्थान ? (Role of transparency in administration)
- B. प्लेटो के अनुसार मनुष्य की प्रवृत्तियों को लिखो ? (Nature of humans according to Plato)
- C. वस्तुनिष्ठता (Objectivity)
- D. नैतिक मूल्यों को परिभाषित करो ? (Define Moral Values)
- E. दया-मृत्यु के सिद्धान्त को लिखो ? (Define the principle of “Mercy killing” ?)
- F. The Problem of Rupee के लेखक ?
(Who is the writer of “The Problem of Rupee” ?)
- G. अभिक्षमता की तीन विशेषताएँ लिखो ? (Three features of “Aptitude”)
- H. आचरण किसे कहते हैं ? (What is conduct?)
- I. चार आर्य सत्य लिखो ? (Write the four Noble truths?)
- J. करुणा क्या है ? (What is compassion?)
- K. लोक सेवक के कार्य ? (Functions of public servant?)
- L. नैतिक संहिता और आचरण संहिता में अंतर :
(Difference between moral code and code of conduct -)
- M. मनोवृत्ति द्वैधीभाव (Attitude Duplex)
- N. The Hindu के लेखक - (Author of The Hindu -)
- O. The Politic के लेखक - (Author of The Politic -)



भारत का नं. 1 संस्थान कौटिल्य एकेडमी

सफलता का प्रवेश द्वार ...

2. प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है, सभी प्रश्न करना अनिवार्य है : [15 × 6 = 90 अंक]

Each question is of 6 marks, it is mandatory to do all the questions -

- A.** सामाजिक सुधार आन्दोलन के प्रणेता के रूप में राजाराम मोहन रॉय की भूमिका स्पष्ट करो?
Explain the role of Rajaram Mohan Roy as the leader of the social reform movement?
- B.** प्लेटो के न्याय-सिद्धांत की व्याख्या के विचारों को स्पष्ट करो ?
Explain the ideas of Plato's interpretation of justice?
- C.** नव-वेदा जी के रूप में राधाकृष्णन के विचारों को स्पष्ट करो ?
Explain Radhakrishnan's views on Neo-Veda ?
- D.** चौखंभा राज्य की अवधारणा स्पष्ट करो ?
Explain the concept of a "four pillar state"?
- E.** विवेकानंद जी के दरिद्रनारायण की व्याख्या करो ?
Explain Virekananda's Daridranarayan?
- F.** अम्बेडकर जी के आर्थिक विचार स्पष्ट करो ?
Explain the economic views of Ambedkar?
- G.** गाँधी की रामराज्य की संकल्पना को लिखो ?
Write about Gandhi's vision of Ramrajya?
- H.** सांवेगिक वृद्धि से क्या आशय है इसके आयामों की चर्चा करो ?
Discuss the dimensions of what is meant by emotional growth?
- I.** मनोवृत्ति के निर्माण में रूचि का महत्व स्पष्ट करो ?
Explain the importance of interest in building mentality?
- J.** आचरण संहिता क्या है, प्रशासन में इसकी उपयोगिता स्पष्ट करो ?
What is code of conduct, explain its usefulness in administration?
- K.** नैतिक मूल्यों के पतन के कारण लिखो ?
Write down the reason for a decline in moral values?



भारत का नं. 1 संस्थान कौटिल्य एकेडमी

सफलता का प्रवेश द्वार ...

- L.** नैतिक मूल्यों को स्थापित करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं -
What measures can be taken to establish moral values -
- M.** भ्रष्टाचार को अल्पतम करने में मीडिया की भूमिका ?
Media's role in minimizing corruption?
- N.** समर्पण की भावना लोक प्रशासन का आवश्यक गुण है -
A sense of dedication is an essential quality of public administration -
- O.** विवेक के संकट में अन्तःप्रेरणा की भूमिका -
Role of Inspiration in Crisis of Conscience -

3. पाठ्यक्रम में सम्मिलित विषय-वस्तु पर आधारित प्रकरण :

Case Studies based on the contents of syllabus:

(a) प्रथम प्रकरण (First Case) : [2 × 15 = 30 अंक]

अभी हाल ही में आपने एक सरकारी संगठन के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। अपने कार्यालय में आप पहले ही दिन पाते हैं कि संगठन में कई अनियमितताएँ विद्यमान हैं। जैसे -

Most recently, you have taken over as the President of a government organization. On the very first day in your office, you find that there are many irregularities in the organization. like -

1. स्टाफ समय का पाबंद नहीं है।
Staff is not punctual.
2. स्टाफ व्यर्थ बातचीत में अपना समय नष्ट करता है।
Staff waste their time in meaningless conversation.
3. जन शिकायतों पर कोई त्वरित कार्यावाही नहीं होती है।
There is no prompt action on public complaints.
4. संगठन में सभी स्तरों पर भ्रष्टाचार व्याप्त है।
Corruption prevails at all levels in the organization.



भारत का नं. 1 संस्थान कौटिल्य एकेडमी

सफलता का प्रवेश द्वार ...

5. संगठन निम्न स्तर की है।

The organization is of low standard.

प्रश्न 1 - सरकारी संगठनों की सेवाओं की गुणवत्ता निम्न स्तर की होने के क्या कारण हैं ?

What is the reason for the quality of services of government organizations to be of low standard?

प्रश्न 2 - आप अपने स्टाफ को किस प्रकार से प्रेरित करेंगे जिससे संगठन की उपर्युक्त कमियों का निदान हो जाये ? विवेचना कीजिए।

How will you motivate your staff so that suitable deficiencies of the organization can be diagnosed? Discuss

(b) द्वितीय प्रकरण (Second Case) : [5 × 7 = 35 अंक]

निशांत सामाजिक रूप से संवेदनशील, समाजवादी विचार के बृद्धिजीवी एवं प्रोफेसर है। वे अपने लेखों भाषणों और मीडिया के माध्यम से मजदूरों, अल्पसंख्यकों, दलितों, महिलाओं एवं जनजातियों के स्वर को मुखरित करते हैं। एक पार्टी भी उन्हें अपने थिंक टैंक में रखे हुये है। इसी क्रम में वे आह्वान करते हैं कि सम्म्राट् जनों, प्रबुद्धों, राजनीतिज्ञों एवं अधिकारियों को अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में प्रवेश दिलाना चाहिये। प्रवेश के महीनों में अभिजात्य स्कूलों में मापदण्डों पर बहस होती है और उसकी शिक्षा के हित में आलोचना भी होती है, जिसमें निशांत भी सम्मिलित रहते हैं किन्तु पता चलता है कि वे स्वयं अपने बच्चे को एक अभिजात्य स्कूल में प्रवेश दिलाने हेतु प्रयासरत हैं। अतः उनके इस कृत्य की आलोचना भी होती है। कहा जाता है कि वे करते कुछ हैं और कहते कुछ हैं।

Nishant is a socially sensitive, socialist ideologue and professor. Through his writings, speeches and media, he voices the voices of workers, minorities, Dalits, women and tribes. A party has also kept him in his think tank. In this sequence, they call upon the people, representatives, politicians and officials to get their children admitted to government schools. In the months of admission, standards are debated in elite schools and there is criticism in the interest of education, including Nishant, but it is revealed that he himself is trying to get his child to enter an elite school. Therefore, his act also attracts criticism. It is said that they do something and say something.



भारत का नं. 1 संस्थान कौटिल्य एकेडमी

सफलता का प्रवेश द्वार ...

1. क्या निशांत को भी अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में प्रवेश दिला देना चाहिये ?
Should Nishant also get his children admitted to government school?
2. क्या निशांत को बौद्धिक विमर्श त्याग देना चाहिये ?
Should Nishant abandon intellectual discourse?
3. क्या उन्हें अपने पार्टी के लोगों को अपने समर्थन में खड़ा करना चाहिये ?
Should they make their party people stand up for themselves?
4. या अपने बच्चे का प्रवेश अभिजात्य स्कूल में करा देना चाहिये। विवेचना कीजिये।
Or your child should be admitted to elite school. Discuss -
5. सामान्यतः बुद्धिजीवी वर्ग अपने बच्चों का एडमिशन अभिजात्य स्कूल करवाते हैं क्यों ?
In general, why do the intelligentsia get their children to get admission elite schools?

